प्रवाह

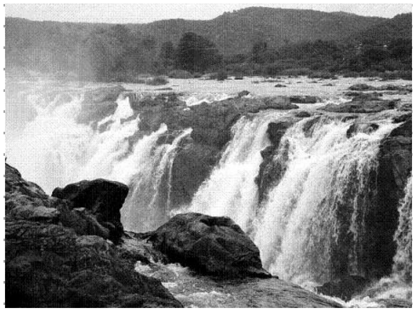

पिलानी - बुधवार , 21 अक्टूबर 2009

बिट्स में बहती ख़बरों की धारा

संपादक मंडली

भावेश
शैलेश
आलोक सोनी
प्रेम शंकर
ऋत्विक राज
लोकेश राज
विभु गोयनका
सौरभ कश्यप
गणेश
उज्जवल जैन
कुलदीप
किशन
विकल्प
नीतिश
रोहन महाजन
प्रीति
अर्पिता
सुरभि सिंह
सुरभि गुप्ता
सुगंधा
सोनल
स्वाति
प्रतीक
निमिष
सौरव
निशांक
अनुजा
सिद्धार्थ
अंजुम
रोहित

अपने सुझाव व शिकायतें हमें भेजें:
hindipressclub@gmail.com

कैम्पस की अन्य गतिविधियों से स्वयं को रूबरु रखिये :
www.
hpc-bits.blogspot.com

प्यारे मित्रगण,

आज इस सम्पादकीय के माध्यम से मैं अंतिम बार आपसे रूबरू हो रहा हूँ |हालाँकि सपादक के कार्य मैं बहुत पहले अपने कुशल अनुजों पर छोड़ चुका हूँ, किन्तु psenti-semite होने के कारण मुझे यह सुनहरा अवसर मिला है और इसके लिए मैं अपने हिन्दिप्रेस के सभी मित्रों का आभारी हूँ |

बिप्रविस(बिट्स) परिसर में मेरे अब कुछ ही दिन रह गए हैं |जीवन के इस मोड़ पर जब मैं सोचता हूँ कि मैंने पिछले चार सालों में क्या पाया तो एक लम्बी सूची तैयार हो जाती है जिसमे सबसे पहले स्थान लेते हैं वो सभी दोस्त जो हमने यहाँ बनाए हैं |उनके साथ बिताया गया एक-एक पल अमूल्य है |यहाँ आकर हर व्यक्ति के जीवन में, प्रथम वार्स से चौथे वर्ष तक, जो भी बदलाव आते हैं, उनमे मित्रों का योगदान सर्वाधिक होता है और इन्हें बदलावों के कारण हम आगे जीवन की सभी परीक्षाओं में सकुशल उत्तीर्ण होते हैं |अतैव, मैं इस सम्पादकीय के माध्यम से धन्यवाद देता हूँ सभी मित्रों को जिन्होंने सदा मुझे सहयोग दिया |

हम अपने उन सीनिअर्स को भूलने की गलती नहीं कर सकते हैं जो पहले तो हमसे 'intro' लेते हैं और फिर हमें इस परिसर की सभी छोटी-बड़ी बारीकियों से अवगत कराते हैं, चाहे वो टाइम-टेबल में prof का चयन हो या GRE-CAT की तैयारी |

अपने इस अंतिम सम्पादकीय के माध्यम से मैं आप सबको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि मेरी कलम की आवाज़ को आप सब ने स्वीकारा, सराहा |आप सब से अब आगया लेता हूँ |

आपका अपना
भावेश

अन्दर के पृष्ठों पर :

2 - ***प्रेसीडेंट*** से मुलाकात

4 - यूँ ही चला चल राही

7 - इस ***ओएसिस*** में

8 - ***प्लेसमेंट्स*** -एक नज़र में

दीपावली के दौरान क्लॉक टॉवर का मनमोहक दृश्य

मैनिफेस्टो

- **राम भवन -** संजीव मलाडी |

  टी 1, टी 2 की बैठने की व्यवस्था एवं पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र |

- स्टेशनरी व रीचार्ज |

- परिवहन सुविधा - टैक्सी व बस की व्यवस्था |

- सामाजिक मुद्दों पर बैठक | एक बार हुई हैं

- ट्रंक व रज़ाइयों की व्यवस्था | वर्ष के अंत में हो जाएगी |

मीरा भवन -श्रेया

- नियमित समय पर पर घास की कटाई करवाई जाती हैं |

- टेबल-टेनिस की मेज के बारे में EST से बात हो चुकी है जो की दो सप्ताह के भीतर आ जायेंगे एवं बिजली के संरक्षण हेतु स्टीकर लगाने की योजना है जिसका क्रियान्वन अगले सेमेस्टर किया जाएगा

- ANC में भुजिया,लेस उपलब्ध हो गए हैं |

- रात को ANC से फ़ूड मंगवाने और इलेक्ट्रिक वाटर हीटर से पेय जल उपलब्ध करवाने की योजना पूरा होने में अभी समय लगेगा |

गाँधी भवन

- गूगल एस.एम एस चैनल -इसके द्वारा सीटिंग अर्रेंजमेंट तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं को छात्रों के मोबाइल्स तक पहुंचा दिया जाता है।

- क्यू . टी में अच्छी रौशनी के प्रबंध के सन्दर्भ में एस.के वर्मा सर से बात की गयी थी किन्तु कुछ अनिवार्य कारणों से यह कार्य सफल न हो सका।

- अक्टूबर २४ से २६ तक छात्रों से पुराने समाचार पत्र एकत्र किये और उनसे लगभग ११००/- की राशि ज़मा की। यह समस्त राशि निर्माण संस्था को दी गयी।

- इंटर भवन टेक. फेस्ट आयोजित करने की घोषणा भी की थी जिसके सन्दर्भ में अपोजी २०१० के बाद कार्य किया जायेगा।

भागीरथ भवन -संदीप अकेल्ला

G.R.E. बोर्ड लगाना

रेलवे टिकट्स बुक करवाने

Q.T में रौशनी लगवाना

चार दिन की चांदनी फिर अँधेरी रात

चार दिन की चांदनी फिर अँधेरी रात | सचमुच वह चार दिन की चांदनी ही तो थी , जब हम सब कुछ भुलाकर मस्ती के सागर में गोते लगा रहे थे | बिट्सियन कैलेंडर के सबसे हसीन चार दिन जब जनता को किसी ट्यूट अथवा लैब की परवाह नहीं होती | क्या छात्र और क्या शिक्षक सब एक साथ ओएसिस के एक-एक एहसास को अपने दिलों में सहेजते चले जा रहे थे | रात - रात भर दोस्तों के साथ हैंगआउट करना , डीजे में बेसुध होकर नाचना , फंडा गोली (दिल से देसी) की स्टॉल पर अजीबोगरीब हरकतें करना , बाहर से आयी बंदियों को एकटक निहारना , रेक.एन.एक के पिरामिड स्ट्रकचर पर चढ़कर फोटो खिंचवाना , कभी सी.सी.डी तो कभी डॉमिनोज की स्टॉल पर एक दूसरे के बटुए खाली कराना , और फिर थक जाने के बाद अपने उसी क्लब रूम में सो जाना जिसमें हम कभी शिक्षकों की नज़रों से बचकर क्लास के दौरान सोया करते थे | इससे ज्यादा और क्या हो सकता है | यह जूनून ही तो है जोकि एक्स-बिट्सियन्स और पी.एस में गए छात्रों को भी दूर-दूर से यहाँ आने को मजबूर कर देता है |

इस साल उद्घाटन समारोह में प्रसिद्ध कलाकार और समाजसेवक राहुल बोस का आना अपने-आप में ही एक बहुत बड़ी बात थी | इसके बाद उनका छात्रों के साथ दो घंटे तक चले बातचीत सत्र में खुलकर अपने अनुभव बांटना और उन्हें स्वाक्षर देना और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना जनता के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा | 96 घंटे तक चले ओएसिस के 39वें संस्करण में विभिन्न क्लब- डिपार्टमेंट्स द्वारा तकरीबन 50 कार्यक्रम कराये गये जिनके साक्षी बने देश भर से आये 1400 प्रतिभागी और समस्त बिट्सियन जनता |

ओएसिस का मुख्य आकर्षण बना प्रौफ-शो | हालांकि रॉक बैंड रेनबो ब्रिज जनता की आशाओं पर खरी नहीं उतर पाई पर शंकर-एहसान-लॉय की तिकड़ी ने सुरों का जादू बिखेरकर जनता को खूब नचाया | यह बात हज़म करने में उन्हें काफी वक्त लगा कि यह वही तिकड़ी है जिसकी एक झलक पाने के लिए प्रशंसक कुछ भी कर गुजरने को तत्पर रहते हैं |

प्रसिद्ध टी.वी कार्यक्रम लाफ्टर चैलेन्ज में जलवे बिखेर चुके सुनील पाल और रासबिहारी गौर ने हैस द्वारा आयोजित हास्य-कवि सम्मलेन में जनता का भरपूर मनोरंजन किया | कभी उन्होंने फ़िल्मी कलाकारों की नक़ल उतारकर तो कभी बाबा रामदेव और राखी सावंत जैसी हस्तियों पर फ़ब्तियाँ कसकर जनता को लोट-पोट कर दिया |

नृत्य गुरु श्यामक डावर के सहयोगियों द्वारा आयोजित नृत्य कार्यशाला ने भी जनता को बहुत लुभाया | लड़के-लड़कियों ने अपने दोस्तों और ' प्रियतमों ' की बाहों में बाहें डालकर खूब नृत्य किया और विभिन्न नृत्य-कौशल भी सीखे | एन.एस.एस और निर्माण के स्टॉल ने भी जनता को अपनी ओर खूब आकर्षित किया | एन.एस.एस ने खासकर एक लाख से अधिक की धनराशी एकत्रित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया |

कोरीओ , राज़मटाज़ , फैश-पी , रॉकटेव्स , मैमो , स्ट्रीट प्ले और स्ट्रीट डांस (जिसमें इतनी ज्यादा भीड़ थी कि जनता को सैक की छत , खिड़कियों और दीवारों पर चढ़कर डांस देखना पड़ा) ओएसिस के अन्य आकर्षण रहे |

शायद इतना कुछ काफी होता है किसी को मदहोश कर देने के लिए | यह कहना कतई गलत नहीं होगा कि ओएसिस बीत गया पर हमारे लिए ढेर सारी यादें छोड़ गया | एक साल तो हम इन यादों के साथ गुज़ार ही सकते हैं | अब तो बस यही उम्मीद है कि हमारी जिन्दगी में ऐसे कई ओएसिस आते रहें ताकि हम अपनी भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में कुछ सुकून के पल ढूंढ सकें |

विदेश में जाकर इन्टर्नशिप करना हर प्रतिभाशाली और जिज्ञासु छात्र का सपना होता है और इस में भी वैज्ञानिक अनुसंधान में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए जर्मनी बहुत अच्छा विकल्प है|बिट्स पिलानी में जीव विज्ञान की तृतीये वर्ष की छात्रा वर्षा राजशेखर को जर्मनी के प्रसिद्द Max Plank Institute of Molecular Cell Biology and Genitics (MPI-CBG) में प्रोफ. कार्ल फिलिप हेज़ेन्बुर्ग के निर्देशन में इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त हुआ है|इस इंटर्नशिप के लिए वर्षा तृतीये वर्ष की समाप्ति पर ग्रीष्मावकाश के दौरान जा रही हैं|अपनी इस उपलब्धि के बारे में पूछे जाने पर वर्षा ने बताया की उन्हें "develpmental biol-ogy " में काफी रुचि है और इन्टरनेट के जरिये जब उन्हें प्रोफ.फिलिप के काम के बारे में पता चला तो अपनी जिज्ञासा के चलते उन्हें एक मेल भेजा|मेल का जवाब आने और इंटर्नशिप मिलने की पूरी प्रक्रिया में करीब डेढ़ महीने का समय लगा जिसमें वर्षा को कुछ जरूरी दस्तावेज़ जिसमें CV,recoletter इत्यादि शामिल हैं साथ ही एक टेलीफोन पर साक्षात्कार भी देना पड़ा था |अपनी सफलता पर वर्षा काफी प्रसन्न नजर आयीं और उन्होंने यह भी बताया कि प्रोफ.फिलिप जैसे वरिष्ट वैज्ञानिक के साथ काम करना उनके लिए बहुत सौभाग्य की बात होगी|इसके अलावा विश्वसतरिये अनुसंधान केंद्र में उन्नत उपकरणों के साथ काम करने का अनुभव भविष्य में उनके करियर में काफी मददगार साबित होगा|वर्षा की इस उपलब्धि पर हम सभी को उनपर नाज़ है|

ग्लाईडर वर्कशाप

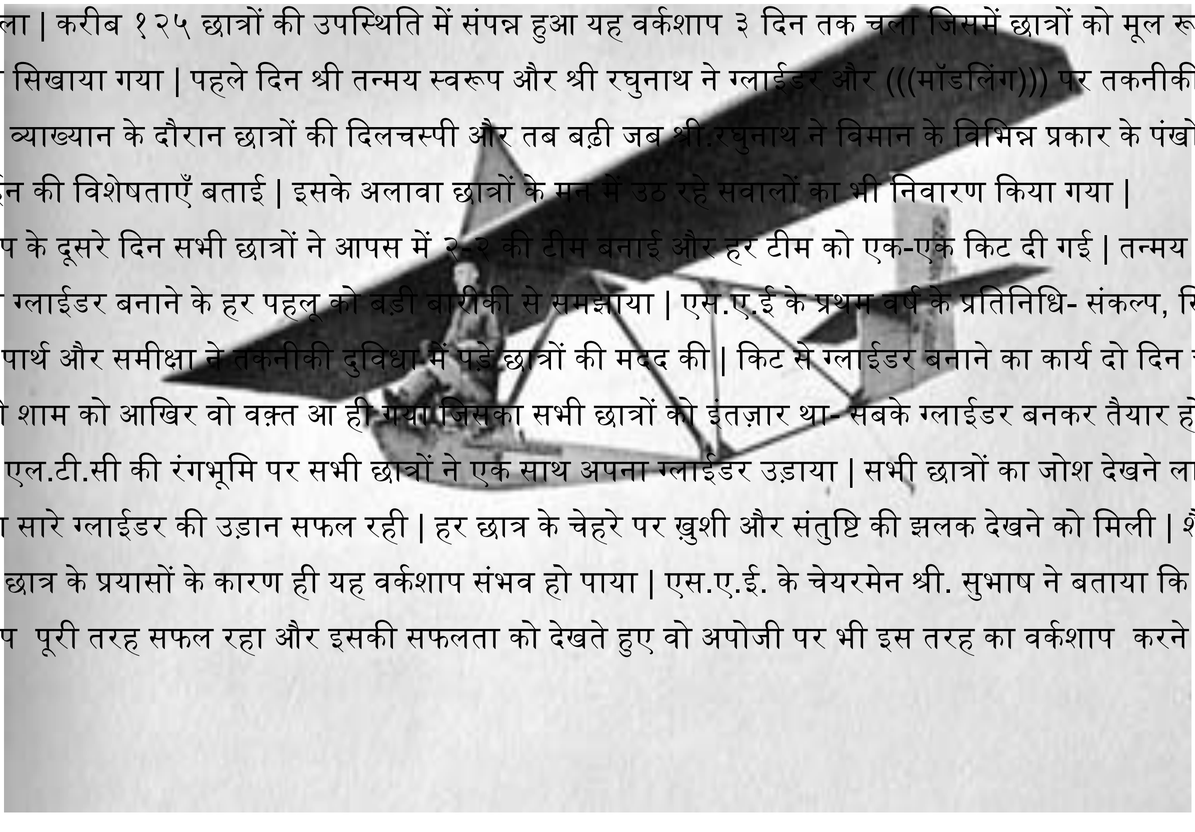

एस. ए. ई. बिट्स ने ९-१२ नवम्बर के बीच ग्लाईडर वर्कशाप का आयोजन किया | इस वर्कशाप में छात्रों का खासा रुझान देखने को मिला | करीब १२५ छात्रों की उपस्थिति में संपन्न हुआ यह वर्कशाप ३ दिन तक चला जिसमें छात्रों को मूल रूप से ग्लाईडर बनाना सिखाया गया | पहले दिन श्री तन्मय स्वरूप और श्री रघुनाथ ने ग्लाईडर और (((मॉडलिंग))) पर तकनीकी व्याख्यान दिया | व्याख्यान के दौरान छात्रों की दिलचस्पी और तब बढ़ी जब श्री.रघुनाथ ने विमान के विभिन्न प्रकार के पंखों और उनके डिजाईन की विशेषताएँ बताई | इसके अलावा छात्रों के मन में उठ रहे सवालों का भी निवारण किया गया |
वर्कशाप के दूसरे दिन सभी छात्रों ने आपस में ३-३ की टीम बनाई और हर टीम को एक-एक किट दी गई | तन्मय और रघुनाथ ने किट से ग्लाईडर बनाने के हर पहलू को बड़ी बारीकी से समझाया | एस.ए.ई के प्रथम वर्ष के प्रतिनिधि- संकल्प, सिद्धार्थ, रुबिन,पार्थ और समीक्षा ने तकनीकी दुविधा में पड़े छात्रों की मदद की | किट से ग्लाईडर बनाने का कार्य दो दिन चला |
१२ की शाम को आखिर वो वक़्त आ ही गया जिसका सभी छात्रों को इंतज़ार था- सबके ग्लाईडर बनकर तैयार हो गए उड़ान के लिए | एल.टी.सी की रंगभूमि पर सभी छात्रों ने एक साथ अपना ग्लाईडर उड़ाया | सभी छात्रों का जोश देखने लायक था | लगभग सारे ग्लाईडर की उड़ान सफल रही | हर छात्र के चेहरे पर ख़ुशी और संतुष्टि की झलक देखने को मिली | शैलेश, द्वितीय वर्ष के छात्र के प्रयासों के कारण ही यह वर्कशाप संभव हो पाया | एस.ए.ई. के चेयरमेन श्री. सुभाष ने बताया कि यह वर्कशाप पूरी तरह सफल रहा और इसकी सफलता को देखते हुए वो अपोजी पर भी इस तरह का वर्कशाप करने की सोचेंगे |

यू.जी.सी. रिव्यू समिति

हाल ही में हुए यू.जी.सी. रिव्यू समिति के बिट्स के दौरे के विषय में हमने ई.डी.डी डीन प्रो.आर.एन.साहा से चर्चा की | उनके साथ हुई बातचीत के कुछ अंश –

एच.पी.सी – यू.जी.सी. की एक्स्पर्ट रिव्यू समिति के हाल ही में हुए बिट्स पिलानी के दौरे पर प्रकाश डालें ?

प्रो. साहा -

भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों विशेषकर डीम्ड युनिवर्सिटीज में शिक्षा के गिरते स्तर पर लगाम लगाने के लिए हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा यू.जी.सी के मार्गदर्शन में एक एक्सपर्ट रिव्यू समिति का गठन किया गया | यह समिति देश भर में व्याप्त शिक्षण संस्थानों में शिक्षा स्तर , आधारिक संरचना , शिक्षकों की योग्यता एवं अन्य अनियमितताओं की जाँच करती है | इसी क्रम में यह समिति हमारे कैम्पस आई थी |

एच.पी.सी - पिछले साल हुए यू.जी.सी और एन.ए.ए.सी(NAAC) के दौरों से इस साल का दौरा कितना भिन्न था ?

प्रो.साहा -

यू.जी.सी ने दसवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत बिट्स पिलानी को मिली धनराशी के उपयोग का आंकलन करने एवं संस्थान के समग्र प्रदर्शन के आधार पर अगली पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता की मात्रा सुनिश्चित करने के लिए सितम्बर 2008 में बिट्स का दौरा किया था | बाद में उसी वर्ष यू.जी.सी द्वारा गठित स्वायत्त संस्था NAAC ने संस्थान का निरीक्षण किया एवं बिट्स को ग्रेड A तथा 4 के स्केल पर 3.71 सी.जी.पी.ए से नवाज़ा था | परन्तु रिव्यू समिति द्वारा हाल का दौरा MHRD के निर्देशन और यू.जी.सी के मार्गदर्शन में किया गया था ताकि देश भर में फैले विभिन्न संस्थानों के प्रदर्शन को मूल्यांकित किया जा सके |

एच.पी.सी. - समिति के सदस्यों के बारे में कुछ बताएँ ?

प्रो.साहा -

JNTU के कुलपति प्रोफेसर डी.एन. रेड्डी की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय समिति आई थी जिसमें देश भर के विख्यात संस्थानों के प्रोफेसर भी शामिल थे | इस एक्स्पर्ट रिव्यू समिति का समन्वयन यू.जी.सी के सरकारी प्रतिनिधि ने किया था |

एच.पी.सी. - बिट्स में समिति के मुआयने के दौरान उनकी क्या-क्या गतिविधियाँ रहीं ?

प्रो. साहा -

दल का बिट्स में आगमन 17 नवम्बर को हुआ और वे यहाँ तीन दिनों तक रहे | उन्होंने 17,18 एवं 19 को कैम्पस में भ्रमण और निरीक्षण करके एक रिपोर्ट तैयार की , जिसे उन्होंने 20 की सुबह प्रस्तुत किया | इस बैठक में वी.सी , रजिस्ट्रार , समस्त प्रभागों के डीन तथा गोआ और हैदराबाद के डायरेक्टर उपस्थित थे | समिति ने संस्थान के छात्रों के साथ भी कुछ समय बिताया | इसके अतिरिक्त उन्होंने 19 की शाम हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी लुत्फ़ उठाया |

एच.पी.सी - हमारे कैम्पस के निरीक्षण के बाद समिति की क्या प्रतिक्रिया रही ?

प्रो. साहा -

समिति के सदस्य बिट्स के निरीक्षण के पश्चात काफी संतुष्ट दिखे | विशेषकर यहाँ के अनुशासन , फ्लेक्सीबिलिटी , कार्यपद्धति , कार्य में स्वतंत्रता , पूर्णतः आवासीय व्यवस्था एवं उच्च छात्र गुणवत्तता की उन्होंने काफी प्रशंसा की |

इस ओएसिस में

राहुल बोस

इस वर्ष ओएसिस के उद्घाटन समारोह के दौरान राहुल बोस मुख्य अतिथि होंगे जिनसे हर भारतीय वाकिफ तो जरुर होगा | चाहे वो उनके रुपहले परदे पर की कलाकारी हो या उनके सामाजिक जीवन से जुडी गतिविधियाँ | वे *anti-discrimination* NGO संगठन के संस्थापक भी हैं | बोस भारत के अंतरराष्ट्रीय रग्बी टीम (राष्ट्रीय ऑरेंज इंडियन रग्बी टीम) के पूर्व सदस्य हैं |

प्रौफ़ शो

शंकर एहसान लॉय

इस ओएसिस हमारे बीच होंगे शंकर महादेवन, एहसान नूरानी और लॉय मेंदोंसा की तिकड़ी| जी हाँ, **झंकार** का यह प्रयास इस ओएसिस का मुख्य आकर्षण बना हुआ है | अब तो बस इंतज़ार है की कब रॉक ऑन, दिल चाहता है, मिशन कश्मीर आदि के गाने इस तपती रेत को ठंडा करेगी |

रेनबो ब्रिज

रेनबो ब्रिज ने अपने संगीत के मूल ब्रांड के साथ पिछले कुछ वर्षों में भारतीय संगीत के परिदृश्य पर एक अनोखी छाप छोड़ी है| मूल रॉक, लोकगीत की धूम के साथ कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत का मसालेदार रॉक एन रोल का यह अद्वितीय मिश्रण इस बैंड की पहचान है |

सुनील पाल

हिंदी कार्यकारिणी समिति द्वारा इस वर्ष आपके समक्ष प्रस्तुत होंगे ऐसी हीं दो हस्तियाँ, जो आपको गुदगुदातें नहीं थकेंगे |

सुनील पाल

ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज 2005 के विजेता |

रास बिहारी गौड़

ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेन्ज 4 के फाइनलिस्ट

डिपार्टमेन्ट ऑफ़ थिएटर (बिट्स,पिलानी) ने कुछ निम्नलिखित संस्थानों से टाई अप किया है :-

1) **Glitz अकादमी** : फैशन के लिए|

2) **SDIPA (Shiamak डावर मंचन कला संस्थान)|** इस सहयोग के भाग के रूप में, SDIPA के प्रशिक्षक वार्षिक नृत्य कार्यशाला का आयोजन करेंगे | इसके अलावा, SDIPA ओएसिस के दौरान तीन प्रमुख नृत्य कार्यक्रमों : स्ट्रीट डांस, Razzmatazz और Choreo के निर्णायक मंडली की शोभा बढायेंगे |

3)भारत के सबसे बड़े समूह के युवा रंगमंच महोत्सव **"थेस्पो"** के इस अक्तूबर पिलानी आने की बात आती है| सिर्फ यही नहीं ओएसिस में थेस्पो द्वारा चयनित थिएटर समूह को राष्ट्रीय समारोह का एक हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा जिसका आयोजन 8 दिसम्बर को किया जाना तय है |

ओएसिस 2009 से जुड़ी कुछ आंकड़े :-

प्रतिभागी कॉलेजों की संख्या : 60 से अधिक

प्रतियोगियों की संख्या: 1350 लोगों का आना तय

ओएसिस के दौरान होने वाले इवेंट्स की संख्या: 49

ओएसिस 2009 स्पोंसेर्शिप

अभी तक **कुल** स्वीकृत राशि : 18.5 **लाख**

प्लेटिनम प्रायोजक : **ब्लैक्बेर्री**

एसोसिएट टाइटल प्रायोजक : **स्प्राईट**

गोल्ड प्रायोजक :**रेमंड, फंडागोली , मोंटे कार्लो**

प्लेसमेंट - एक नज़र में

हिंदी प्रेस ने परिसर में चल रहे प्लेसमेंट के बारे में पता करने के लिए प्लेसमेंट डीन श्री एम् एस दासगुप्ता एवं प्लेसमेंट समन्वयक चतुर्थ वर्षीय छात्र आयुष बंसल से बातचीत की |प्रस्तुत हैं इस मुलाकात के कुछ अंश -

प्रश्न - अब तक हुए प्लेसमेंट के बारे में बताएं तथा आने वाली कंपनियों के रुझान के बारें में बताएं?

जवाब -बिट्स के स्नातक छात्र अपने विभाग से परे रोजगार पाने के काबिल हैं | वो स्नातक की डिग्री लने से पहले रोजगार पा लेंगे , इसी विश्वास के साथ मैं काम करता हूँ | नहीं तो उस काम में कोई मजा नहीं है अगर मैं युद्ध में जाने से पहले ही मान लूं कि मैं हार जाऊंगा |

- अभी तक कुल **35 कंपनियां** आ चुकी हैं तथा **180 छात्रों** का स्थानान हो चुका हैं |
- अभी तक हुए प्लेसमेंट में **सबसे अधिक वेतन** पैकेज वाली कंपनियाँ **amazon** एवं **shell** हैं , जिनका सालाना वेतन **14 लाख** हैं | इन दोनों ही कंपनियां ने **दो-दो छात्रों का चयन** किया हैं |
- कुछ प्रमुख नियोक्ताओं में से हैं **BHEL,NTPC एवं HP** जिन्होंने **20 से** भी **अधिक** की संख्या में छात्रों का चयन किया हैं |
- आने वाली कंपनियों में **मेकैनिकल, सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रानिक्स** के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या **अधिक** हैं |
- अभी तक हुए प्लेसमेंट के आधार पर **औसत वेतन** करीब **6 – 7 लाख** हैं |

प्रश्न - ज्यादातर छात्र यह सोचते हैं कि प्लेसमेंट के लिए प्रथम सेमेस्टर बेहतर है | इस पर आप क्या कहना चाहेंगे |

उत्तर - प्लेसमेंट सेमेस्टर चुनाव के लिए कई कारक होते हैं जैसे कि जी आर ई या कैट की तैयारी , प्रैक्टिस स्कूल का चुनाव इत्यादि | छात्र अपनी प्राथमिकताओं को ध्यान में रख कर ही यह निर्णय लेते हैं |

प्रश्न - क्या आपको कंपनियों को पिलानी बुलाने में किसी विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता हैं ?(जैसे पिलानी की भौगोलिक स्थिति)

उत्तर - संयोग से हमारे पास इतने अच्छे छात्र तथा शिक्षक हैं कि अगर कोई कम्पनी सिर्फ हमारी भौगोलिक स्तिथि के वजह से नहीं आ रही है तो या तो वह झूठ बोल रही है या हमसे अनजान है |ज्यादातर जिम्मेदार कंपनियों को पता है कि अच्छे छात्रों के लिए
उन्हें बिट्स पिलानी आना पड़ेगा |

प्रश्न -यह मानते हुए कि अर्थव्यवस्था अभी मंदी के दौर से उभर ही रही है , आप प्लेसमेंट के लिए तैयार छात्रों को क्या सुझाव देना चाहेंगे ?

उत्तर - इस सेमेस्टर में मुझे ऐसा लगता है कि मै बेहतर माहौल में काम कर रहा हूँ |कठिन समय में छात्रों को कठिन निर्णय लेने के लिए तैयार होना चाहिए |अगर मनपसंद जॉब नहीं मिले तो उच्च शिक्षा एक अच्छा अवसर है |

प्रश्न - अभी और कितनी कंपनियों का कैम्पस में आना बाकी है ?

उत्तर - अभी फिलहाल 5 और कंपनियाँ आने वाली हैं तथा विभिन्न रूपरेखा की अन्य कंपनियों से भी आने की बात चल रही हैं |